

प्रेषक,

नृप सिंह नपलव्यास
प्रमुख सचिव
उत्तरांचल शासन ।

रोपा में,

- 1-समरत प्रमुख सचिव/राजिव
उत्तरांचल शासन ।
- 2-समरत जिलाधिकारी
उत्तरांचल ।
- 3-समस्त विभागाध्यक्ष/प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष,
उत्तरांचल ।

कार्मिक अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 16 अगस्त, 2005

विषय:- दहेज संबंधी मृत्यु के मामलों में अन्तर्ग्रस्त सरकारी कर्मचारियों/अधिकारियों का निलम्बन ।

महोदय,

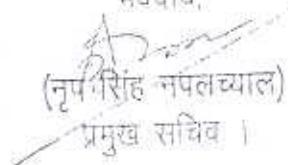
मुझे आपके ध्यान में उत्तरांचल सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 के नियम-4 (2) की ओर आकृष्ट करने का निर्देश हुआ है, जिसमें यह प्रावधान है कि यदि किसी सरकारी सेवक के विरुद्ध किसी अपराधिक आत्रोप या संबंधित कोई अन्येषण, जांच या विचारण लम्बित हों तो उस सरकारी सेवक को उसके निपुणित प्राधिकारी द्वारा उपरोक्त कार्यवाही समाप्त होने तक रवविवेक से निलम्बित किया जा सकता है। उपरोक्त नियमावली के नियम-4 (3) (क) एवं नियम-4(4) में प्रावधान हैं कि यदि सरकारी सेवक को 48 घंटे या अधिक अवधि तक अगिरक्षा में निरुद्ध किया गया हो अथवा काराधास का दण्ड दिया गया हो तो वह सरकारी सेवक निरुद्ध अथवा दोष सिद्ध की तिथि से निलम्बित रामबा जायेगा।

2. दहेज संबंधी मृत्यु कारित करने के मामलों में कभी-कभी सरकारी सेवकों के भी अन्तर्ग्रस्त होने के प्रकरण सामने आते हैं। ऐसे सरकारी सेवकों को निलम्बित करने का निर्णय नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा रवविवेक से उपरोक्त नियम के तहत लिया जा सकता है। उपरोक्त मामलों में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निलम्बन के लिए कतिपय निर्देशों का उल्लेख किया जा रहा है:-

- (1) यदि किसी सरकारी अधिकारी/कर्मचारी को भारतीय दण्ड संहिता की धरा 304-ख के अधीन दहेज संबंधी मृत्यु के मामलों में दर्ज किये जाने के संबंध में अगिरक्षा में निरुद्ध किया गया हो तो उसे तत्काल निलम्बित बारे देना उचित होगा।

(2) यदि किसी सरकारी सेवक को अभिरक्षा में निरुद्ध न किया गया हो परन्तु घण्ड प्रक्रिया सहिता की धारा 173 (2) के अन्तर्गत पुलिस रिपोर्ट गिरिरदूर तो प्रत्युत किये जाने पर तत्काल निलम्बित कर देना उचित होगा, जायकि रिपोर्ट से यह प्रथम-दृष्ट्या निर्दिष्ट हो जाय कि सरकारी कर्मचारी/अधिकारी आरम्भ में शामिल था।

अनुरोध है कि उपरोक्त निर्देशों को अपने समरत अधीनस्थ संकाम प्राधिकारियों की जानकारी में ला दें ताकि उपरोक्त निर्देशों का भलीभांति अनुसरण सुनिश्चित किया जा सके।

भवदीय,

(नृपरेंग नपलच्चाल)
प्रमुख सचिव।

संख्या: २३१२(1) / XXX(2) / 2005, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. समरत अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।
2. समरत सचिवालय के अनुभाग।

आज्ञा रा.


(रमेश चन्द्र लोहनी)
रायुक्त सचिव।